समीक्षा™ इंस्टीट्यूट
Sign of Success

आधुनिक

भारतीय इतिहास

Short Revision Notes

Near Bank of India, Phoolbagh Chauraha, Gwalior, Ph: 0751-4062762,
Near of Vivekanand school, Pinto park Tiraha , Gwalior, Ph: 0751-4084370,

आधुनिक भारतीय इतिहास की घटनाओं का कालक्रम

1761	–	पेशवा बालाजी बाजीराव की मृत्यु, रघुनाथ राव के संरक्षण में **माधव राव पेशवा का राज्याभिषेक।पांडिचेरी अंग्रेजों को समर्पित** ,अवध के नवाब **शुजाउद्दौला का वज़ीर** बनना।
1761–82	–	मैसूर के शासक के रूप में **हैदर अली का उदय**।
1762	–	माधव राव द्वारा मराठा राज्य-शक्ति का अधिग्रहण, रघुनाथ राव द्वारा निज़ाम से सहायता की याचना।
1763	–	मीर कासिम का निष्कासन तथा मीर जाफर का पुनः राज्यारोहण। **रघुनाथ राव का पुनः सत्ता** पर अधिकार तथा **माधव राव का बंदी** बनाया जाना।
1764	–	**बक्सर का युद्ध**। **शाह आलम**, **शुजाउद्दौला** और **मीर कासिम** की संयुक्त सेनाओं की अंग्रेजों के हाथों पराजय।
1765	–	ईस्ट इण्डिया कंपनी को **बंगाल, बिहार** और **उड़ीसा** की **दीवानी प्रदान** की गई। मीर जाफर की मृत्यु।
1765–67	–	क्लाइव की दूसरी बार **बंगाल के गर्वनर** के रूप में नियुक्ति।
1766	–	निज़ाम द्वारा **अंग्रेजों को उत्तरी सरकार क्षेत्रों** का समर्पण।
1767	–	क्लाइव के कार्यकाल की समाप्ति वेरेलस्ट बंगाल का गवर्नर बना।
1767–69	–	**मैसूर का प्रथम युद्ध**। हैदर अली द्वारा मद्रास की और कूच तथा अंग्रेजों को प्रतिरक्षात्मक संधि के लिए बाध्य करना।
1770	–	बंगाल का भीषण अकाल।
1771	–	हैदर अली पर मराठों द्वारा आक्रमण। मराठों का दिल्ली पर अधिकार और मराठों द्वारा शाहआलम-II को पुनः गद्दी पर बैठाना जो कि उस समय इलाहाबाद में अंग्रेजों का पेंशनर था।
1772–85	–	वारेन हेस्टिंग्स का **फोर्ट विलियम के गवर्नर पद** पर नियुक्त होना।
1772	–	रूहेलखण्ड पर **मराठों का आक्रमण**।
1772–1833	–	राजा **राममोहन राय का जीवन काल**
1773	–	**रेग्युलेटिंग एक्ट पारित होना**, जिसके द्वारा भारत में ईस्ट इण्डिया कंपनी का प्रशासन अंशत ब्रिटिश पार्लियामेंट के नियंत्रण में लाया गया और प्रेसीडेंसी नगरों का शासन बंगाल के अंगर्गत लाया गया।

1774	–	मराठों का रूहेलखण्ड पर पुनः आक्रमण, अवध के नवाब द्वारा **रूहेलों की सहायता।** मराठों की वापसी किन्तु रूहेलों द्वारा समझौते के अनुसार अवध के नवाब को 4 लाख की धनराशि देने से इंकार। **कलकत्ता में सुप्रीम कोर्टकी स्थापना।** अंग्रेजों की मदद से अवध के नवाब और रूहेलों के बीच युद्ध रूहेला सरदार हाफिज रहमत खाँ की मृत्यु और रूहेलखण्ड का अवध राज्य में विलय।
1775	–	अवध की बेगमों का मामला**वारेन हेस्टिंग्स पर** घूस लेने का आरोप लगाने वाले **नंदकुमार पर मुकदमा और प्राणदण्ड।**
1775–82	–	**प्रथम आँग्ल–मराठा युद्ध।**
1776	–	अंग्रेजों और रघुनाथ राव विरोधी पूना के मंत्रियों के मध्य **पुरंदर की संधि।**
1779	–	बड़गाँव की संधि, जिसमें यह शर्त रखी गई की 1773 ई. से कंपनी द्वारा मराठों को अधिकृत इलाका लौटा दिया जाएगा और बंगाल से आगे बढ़ रही **अंग्रेजी फौज को रोक दिया** जाएगा।
1780	–	**कैप्टन पोफम** द्वारा **ग्वालियर पर अधिकार।**
1780–84	–	**मैसूर का दूसरा युद्ध। मंगलौर की संधि** के अनुसार दोनों पक्षों द्वारा विजित प्रदेश वापस करने के लिए सहमति।
1781	–	बनारस के राजा चेतसिंह को अंग्रेजों द्वारा गद्दी से हटाना। कलकत्ता के मुसलमानों के संतुष्टीकरण के लिए वारेन हेस्टिंग्ज द्वारा **कलकत्ता में मदरसे की स्थापना।**
1782	–	अंग्रेजों की मदद से आसफुद्दौला द्वारा अवध की बेगमों से धन बलात अपहरण। अंग्रेजों के साथ मराठों और हैदरअली की **सल्बाई की संधि।** हैदरअली की मृत्यु।
1782–98	–	टीपू सुल्तान मैसूर का शासक बना।
1784	–	टीपू सुल्तान और अंग्रेजों के मध्य मंगलौर की संधि, जिसके अनुसार यह निश्चित हुआ कि अंग्रेज टीपू सुल्तान के शत्रुओं की सहायता नहीं करेंगे। इसके बदले में टीपू अंग्रेजों के विजित क्षेत्र छोड़ देगा। पिट्स इण्डिया एक्ट (अधिनियम) पारित। ईस्ट इण्डिया कंपनी के लिए बोर्ड ऑफ कंट्रोल की स्थापना, **बंगाल एशियाटिक सोसाइटी** की स्थापना।
1786–93	–	**लॉर्ड कार्नवालिस बंगाल के गर्वरन जनरल नियुक्त।**
1786	–	मराठों और निज़ाम द्वारा मैसूर पर संयुक्त आक्रमण।
1787	–	टीपू, मराठों तथा निजाम के मध्य संधि, मराठों को इस संधि से लाभ।
1788	–	गुलाम कादिर रूहेला का दिल्ली पर अधिकार और शाह आलम द्वितीय को अंधा

		कर देना। बेदार बख्त दिल्ली की गद्दी पर बैठा।
1788–95	–	वारेन हेस्टिंग्स पर महाभियोग लगाया गया।
1789	–	टीपू का **त्रावणकोर** पर आक्रमण।
1789–1802	–	मराठों का दिल्ली पर नियंत्रण।
1790–92	–	**मैसूर का तीसरा युद्ध,** जिसमें अंग्रेजों ने मराठों और निज़ाम के साथ मिलकर त्रिपक्षीय समझौता कर टीपू के विरूद्ध युद्ध किया।
1792	–	टीपू द्वारा अपने आधे राज्य का समर्पण। रणजीत सिंह द्वारा सिख मिस्ल के प्रधान के पद पर अपने पिता का स्थान ग्रहण करना। अंग्रेज रेजीडेंट जोनाथन डंकन द्वारा वाराणसी में संस्कृत विद्यालय की स्थापना जिससे कि भारत के हिन्दुओं का अंग्रेजों की ओर आकर्षण बढ़ सके।
1793–98	–	सर जॉन शोर गर्वनर जनरल।
1793	–	**बंगाल** में भू-राजस्व का **स्थायी बंदोबस्त**।
1794	–	महादजी सिंधिया का पूना में निधन।
1795	–	निजाम और मराठों के मध्य खर्दा का युद्ध।
1796	–	बाजीराव द्वितीय पेशवा पद पर आसीन।
1797	–	अहमदशाह अब्दाली के पौत्र जमान शाह का लाहौर पर अधिकार। अवध के नवाब आसफुद्दौला की मृत्यु और वज़ीर अली नवाब बने।
1798	–	अवध के नवाब वजीर अली का गद्दी से हटाया जाना और उनके स्थान पर सआदत अली की ताजपोशी।
(1798 –1805)	–	गवर्नर जनरल लॉर्ड वेलेजली।
1799	–	अंग्रेजों द्वारा अकारण टीपू सुल्तान के राज्य पर अचानक आक्रमण। मैसूर का चौथा युद्ध। श्रीरंगपट्टम् का पतन। टीपू की मृत्यु। मैसूर में अंग्रेजों द्वारा हिन्दूराज की पुर्नस्थापना। मैसूर का विभाजन। जमानशाह द्वारा रणजीत सिंह की लाहौर के गवर्नर के रूप में नियुक्ति। विलियम केरी द्वारा सिरामपुर में **ईसाई मिशन** की स्थापना।
1800	–	नाना फड़नवीस की मृत्यु। **फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना।**
1801	–	अंग्रेजों द्वारा कर्नाटक और अवध के प्रदेशों का ब्रिटिश साम्राज्य में विलय।
1802	–	होल्कर द्वारा सिंधिया और पेशवा की संयुक्त सेनाओं की पूना में पराजय। पेशवा

		बाजीराव द्वारा भागकर बेसीन में अंग्रेजों से शरण-याचना और अंग्रेजों के साथ बेसीन की संधि।
1803	–	लॉर्ड लेक द्वारा दिल्ली पर अधिकार और सिंधिया से युद्ध।
1803-05	–	द्वितीय आँग्ल-मराठा युद्ध।
1804	–	मुगल सम्राट **शाह आलम द्वितीय** द्वारा स्वयं का ब्रिटिश संरक्षण में समर्पण। लॉर्ड लेक का होल्कर के साथ युद्ध।
1805	–	लॉर्ड लेक द्वारा भरतपुर पर अधिकार का निष्फल प्रयास और लेक द्वारा भरतपुर के राजा के साथ शांति समझौता।
1805-07	–	गवर्नर जनरल जार्ज बार्लो।
1806	–	मुहम्मद अकबर द्वितीय अपने पिता मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय का उत्तराधिकारी बना।
1807-13	–	गवर्नर जनरल लॉर्ड मिन्टो-प्रथम।
1809	–	**अमृतसर की संधि-रणजीत सिंह** और **अंग्रेजों** के मध्य स्थायी मैत्री संधि।
1809-11	–	रणजीत सिंह द्वारा गोरखों से काँगड़ा की विजय।
1813-23	–	लॉर्ड हेस्टिंग्स-बंगाल के गवर्नर जनरल।
1814-16	–	आँग्ल-नेपाल युद्ध के परिणाम स्वरूप गोरखों द्वारा अंग्रेजों को कुमायूँ और गढ़वाल प्रदेशों का समर्पण।
1817-18	–	पिण्डारी युद्ध, पेशवा का समर्पण।
1817-98	–	सर सैय्यद अहमद खाँ जिन्होंने बाद में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की स्थापना की।
1817-19	–	अंतिम आँगल-मराठा युद्ध। सिंधिया और होल्कर राजाओं द्वारा अंग्रेजों के साथ मित्रता।
1818	–	**प्रथम बंगाली समाचार** पत्र **'समाचार दर्पण'** का **ईसाई मिशन सिरामपुर** द्वारा प्रकाशन।
1819-27	–	बम्बई के गवर्नर एलफिंस्टन।
1820	–	मुनरो-मद्रास का गर्वनर बना।
1821	–	पूना में संस्कृत कॉलेज की स्थापना।
1823-28	–	लॉर्ड एमहर्स्ट-बंगाल के गवर्नर जनरल बना ।

1823	–	राजाराम मोहन राय द्वारा **1823** के **प्रेस अध्यादेश** के विरूद्ध सरकार को प्रतिवेदन।
1824	–	**बैरकपुर में सैन्य विद्रोह**। भारतीय सिपाहियों द्वारा बर्मा में लड़ने के लिए अधिक वेतन की माँग पर परेड मैदान में हत्या।
1824–26	–	**प्रथम आँग्ल-बर्मा युद्ध**। अराकान और तेनासरीम का ब्रिटिश राज्य में विलय।
1824–83	–	स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा **आर्य समाज की स्थापना**(1875 में)।
1826	–	भरतपुर पर अंग्रेजों का अधिकार ।
1828–35	–	**गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम बैटिक**।
1828	–	राजा राममोहन राय द्वारा **ब्रह्म समाज की स्थापना**। 1829 में विलियम बैंटिक द्वारा सतीप्रथा का अंत।
1829–37	–	विलियम बैंटिक द्वारा ठगी का दमन।
1830–33	–	राजा राममोहन राय द्वारा इंग्लैण्ड की यात्रा।
1831	–	अंग्रेजों द्वारा मैसूर के राजा को पदच्युत कर दिया गया और वहाँ का प्रशासन ईस्ट इण्डिया कंपनी के हाथ में ले लिया गया। रणजीत सिंह और विलियम बैंटिंक की रोपड़ में मुलाकात।
1832	–	जैंतिया (पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र) का अंग्रेजी राज्य में विलय।
1833	–	ईस्ट इण्डिया कंपनी के व्यापारिक अधिकारों का अंत। **विधि आयोग की नियुक्ति**। बंगाल का गवर्नर जनरल पूरे भारत का गवर्नर जनरल बना।
1834	–	कुर्ग का ब्रिटिश साम्राज्य में विलय। मैकाले सुप्रील कौंसिल के विधायी सदस्य बने। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में चाय बागानों की स्थापना। आगरा प्रांत का गठन। गवर्नर जनरल सर चार्ल्स मेटकाफ। **मैकाले का शिक्षा सम्बन्धी प्रस्ताव**। फारसी के स्थान पर अंग्रेजी राजभाषा बनी। प्रेस पर प्रतिबंध की समाप्ति तथा अंतर्देशीय पारगमन-शुल्कों की समाप्ति। कंपनी द्वारा सिक्कों पर मुगल सम्राट का नाम मिटाकर कंपनी के नाम से सिक्कों का प्रचलन।
1835 –36–1835–	–	
1836–42	–	गर्वनर जनरल लॉर्ड ऑकलैंड।
1837	–	मुगल सम्राट अकबर द्वितीय का उत्तराधिकारी **बहादुर शाह द्वितीय बना**।
1838	–	शाहशुजा, रणजीत सिंह और अंग्रेजों के बीच त्रिपक्षीय संधि।
1839	–	रणजीत सिंह की मृत्यु। **कलकत्ता से दिल्ली तक ग्राण्ड ट्रंक (जी.टी.) रोड** का

		निर्माण कार्य प्रारम्भ अंग्रेजों द्वारा शाहशुजा का काबुल का अमीर घोषित करना।
1839–42	–	प्रथम आँग्ल-अफगान युद्ध।
1840	–	अफगान अमीर दोस्त मुहम्मद द्वारा आत्मसमर्पण।
1841–44	–	गवर्नर जनरल लॉर्ड एलनबरो।
1842	–	एलनबरो की शिमला उद्घोषणा, अफगानों द्वारा प्रस्तावित अमीर को मान्यता देने के लिए गवर्नर जनरल द्वारा सहमति और दोस्त मुहम्मद पुनः अमीर बना।
1843	–	सिंध पर अंग्रेजों की विजय। ब्रिटिश भारत में दास प्रथा (लॉर्ड एलिनबरों द्वारा) पर प्रतिबंध।
1844–48	–	लॉर्ड हार्डिंग भारत के गवर्नर जनरल बने तथा उनके द्वारा अंग्रेजी स्कूलों से शिक्षित भारतीय लोगों को सरकारी सेवा में नियुक्त करने का निर्णय।
1845	–	प्रथम आँग्ल-सिख युद्ध।
1846	–	सिख सेना की पराजय और लाहौर की संधि।
1847	–	**रूड़की** में**प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज** की स्थापना।
1848–56	–	गर्वनर जनरल लॉर्ड डलहौजी।
1848	–	सतारा का अंग्रेजी राज्य में विलय, मुल्तान का विद्रोह
1848–49	–	दूसरा आँग्ल-सिख युद्ध।
1849	–	सिखों की पराजय और पंजाब राज्य का अंग्रेजी राज्य में विलय, कलकत्ता में बेथुर द्वारा कन्या पाठशाला की स्थापना। दिल्ली के मुगल राजवंश को समापन करने का लॉर्ड डलहौजी का प्रस्ताव।
1852	–	द्वितीय आँग्ल-बर्मा युद्ध। रंगून तथा पेगू का अंग्रेजी राज्य में विलय।
1853	–	बम्बई से थाणे तक रेल सेवा का आरम्भ। कलकत्ता से आगरा तक टेलीग्राफ लाइन। नागपुर और झांसी का विलय। निज़ाम द्वारा बरार का भू-भाग अंग्रेजों को समर्पित। सिविल सेवा के लिए प्रतियोगी परीक्षा का प्रारम्भ।
1855	–	बिहार में संथालों का विद्रोह। भारत में जूट उद्योग का आरम्भ।
1856	–	**विश्वविद्यालय अधिनियम। हिन्दू विधवा पुर्नविवाह अधिनियम।**
1856–62	–	**गर्वनर जनरल और वायसराय लॉर्ड कैनिंग**
1857	–	**बम्बई, कलकत्ता** और **मद्रास** में विश्वविद्यालयों की स्थापना।
1857–58	–	सन् 1857 का विद्रोह। 10 मई, 1857 को मेरठ में विद्रोह का प्रारम्भ।

1858	–	महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा जिसके द्वारा भारत का शासन सीधे ब्रिटिशशाही ताज के अंतर्गत।
1859–61	–	बंगाल में नील खेतीहरों द्वारा उपद्रव।
1861	–	**इण्डियन कौंसिल एक्ट, इण्डियन हाईकोर्ट एक्ट, भारत में पुरात्तविक सर्वेक्षण की स्थापना।**
1862	–	भारतीय दण्ड संहिता का प्रचलन। सदर अदालतों का हाईकोर्ट में विलय।
1862–63	–	गर्वनर जनरल और वायसराय लॉर्ड एल्गिन प्रथम।
1863	–	अफगानिस्तान के अमीर दोस्त मुहम्मद की मृत्यु। अफगानिस्तान में उत्तराधिकारी के लिए युद्ध। अफगानिस्तान के अमीर शेर अली को 6 लाख रुपये सलाना अनुदान दिए जाने की स्वीकृति।
1863–1902	–	स्वामी विवेकानंद।
1864–69	–	वायसराय सर जॉन लॉरेंस।
1865	–	यूरोप के साथ टेलीग्राफ संचार व्यवस्था।
1869	–	**स्वेज नहर का प्रारम्भ 1869 ई.** को, मोहनदास करमचंद्र गाँधी का पोरबंदर में जन्म।
1869–72	–	वायसराय लॉर्ड मेयो।
1870	–	मेयो का प्रांतीय बन्दोबस्त, लाल सागर होकर तार व्यवस्था (टेलीग्राफ) का प्रारम्भ।
1872	–	पंजाब में कूका विद्रोह।
1872–76	–	वायसराय लॉर्ड नॉर्थब्रुक।
1874	–	बिहार में अकाल।
1875	–	सैय्यद अहमद खाँ अलीगढ़ में मोहम्मडन-एंग्लो ओरियण्टल कॉलेज की स्थापना। अजमेर में मेयो कॉलेज की स्थापना। **प्रिंस आफ वेल्स का भारत आगमन।** स्वामी दयानन सरस्वती द्वारा **आर्य समाज** की स्थापना।
1876	–	क्वेटा पर ब्रिटिश अधिकार। इण्डियन एसोसिएशन ऑफ कलकत्ता की स्थापना।
1876–80	–	वाइसराय लॉर्ड लिटन।
1877	–	लॉर्ड लिटन द्वारा **दिल्ली दरबार का आयोजन**और **विक्टोरिया भारत** की साम्राज्ञी घोषित।
1878	–	वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट।

1878–80	–	द्वितीय अफगान युद्ध।
1879	–	मैडम ब्लाटवात्सकी (रूसी) और कर्नल ऑलकॉट (अमेरिका) का भारत आगमन और अड्यार (मद्रास) में थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना।
1880–84	–	वायसराय लॉर्ड रिपन।
1881	–	फैक्ट्री एक्ट, मैसूर का समर्पण।
1882	–	हण्टर कमीशन(शिक्षा के क्षेत्र में), इण्डियन एजुकेशन कमीशन, पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना।
1883	–	कलकत्ता में भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन का प्रथम अधिवेशन।
1883–84	–	इल्बर्ट बिल विवाद।
1884–88	–	वायसराय लॉर्ड डफरिन।
1885	–	भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस का **बम्बई** में **प्रथम अधिवेशन**। बंगाल का काश्तकारी अधिनियम। स्थानीय स्वशासन अधिनियम। तृतीय आँग्ल-बर्मा युद्ध।
1886	–	उत्तरी बर्मा का ब्रिटिश भारत में विलय। रामकृष्ण परमहंस की मृत्यु। अफगानिस्तान की उत्तरी सीमा का निर्धारण।
1887	–	इलाहाबाद में विश्वविद्यालय की स्थापना।
1888–94	–	वाइसराय लॉड लैन्सडाउन।
1889	–	कश्मीर के महाराजा प्रतापसिंह द्वारा राजगद्दी का परित्याग। प्रिंस ऑफ वेल्स का दूसरी बार भारत आगमन।
1891	–	**द्वितीय फैक्ट्री एक्ट,** सहवास अधिनियम। मणिपुर में विद्रोह।
1892	–	इण्डियन कौंसिल एक्ट द्वारा ब्रिटिश भारत में निर्वाचन का प्रारम्भ।
1893	–	काबुल में ड्यूरण्ड मिशन का आगमन। श्रीमति ऐनी बेसेन्ट का भारत आगमन।
1894–99	–	वाइसराय और लॉर्ड एल्गिन द्वितीय।
1897	–	**स्वामी विवेकानंद द्वारा** बेलूर में **रामकृष्ण मिशन** और **मठ** की स्थापना की।
1898	–	बनारस में सेण्ट्रल हिन्दू कॉलेज की स्थापना ।
1899–05	–	वायसराय लॉर्ड कर्जन।
1900	–	**अकाल आयोग** की नियुक्ति। भूमि स्वामित्व परिषद एक्ट पारित।
1901	–	उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत का गठन।
1902	–	हरिद्वार में गुरूकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय की स्थापना।

1904	–	विश्वविद्यालयों में प्रोफेसरों एवं लेक्चरर नियुक्त करने का अधिकार प्रदान करने वाला अधिनियम पारित। सहकारी समिति अधिनियम। लॉर्ड कर्जन द्वारा पुरातत्व विभाग की स्थापना। यंगहजबैण्ड का तिब्बत अभियान।
1905	–	बंगाल का विभाजन। लॉर्ड मार्ले मिण्टो भारत सचिव नियुक्त।
1905–10	–	वाइसराय लॉर्ड मिंटो द्वितीय
1906	–	**ढाका** में **मुस्लिम लीग** की स्थापना। काँग्रेस द्वारा स्वराज सम्बन्धी घोषणा।
1907	–	सूरत में काँग्रेस का वार्षिक अधिवेशन। काँग्रेस के उग्रवादी और उदारवादी दलों में आपसी टकराव। आँग्ल-रूसी समझौता। कर्नल ऑलकॉट के स्थान पर श्रीमती एनीबेसेन्ट थियोसोफिकल सोसाइटी की अध्यक्ष बनी।
1908	–	समाचार पत्र अधिनियम (प्रेस एक्ट), बाल गंगाधर तिलक का राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी (22 जुलाई)
1909	–	मार्ले-मिण्टो अधिनियम पारित। गर्वनर जनरल कौंसिल के सदस्य के रूप में एस. पी. सिन्हा, की नियुक्ति। मदन लाल ढ़ींगरा द्वारा लंदन में कर्जन वाइली की गोली मारकर हत्या। (1 जुलाई)
1910–16	–	वायसराय लॉर्ड हार्डिंग द्वितीय।
1910	–	एडवर्ड तृतीय की मृत्यु और जार्ज पंचम का राज्यारोहण।
1911	–	**दिल्ली दरबार।** बंगाल का विभाजन निरस्त भारत की जनगणना। कलकत्ता से दिल्ली में राजधानी हस्तांतरण की घोषणा लॉर्ड हार्डिंग की हत्या का प्रयास।
1912	–	**दिल्ली राजधानी बनी।**
1913	–	ब्रिटिश शासन द्वारा शैक्षिक सुधार सम्बन्धी प्रस्ताव। रबीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार, **सैन फ्रांसिस्को में गदर पार्टी** की स्थापना।
1914–18	–	प्रथम विश्व युद्ध का विस्फोट।
1915	–	गाँधी जी का भारत आगमन (जनवरी) भारत प्रतिरक्षा अधिनियम। गोखले का निधन (19 फरवरी) ऐनी बेसेन्ट द्वारा होम रूल लीग की स्थापना की घोषणा (25 सितम्बर)।
1916	–	सैडलर कमीशन की नियुक्ति। वाराणसी में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना।
1916–21	–	वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड।
1917	–	ब्रिटिश शासन द्वारा भारत में स्वायत्त शासन की घोषणा। भारत सचिव माण्टेग्यू

		का भारत आगमन। भारत में उत्तरदायी शासन की स्थापना की घोषणा चम्पारण सत्याग्रह के आरोप में गाँधीजी पर मुकदमा (18 अप्रैल) मद्रास सरकार द्वारा ऐनी बेसेन्ट को नजरबंद करने का आदेश।
1918	–	ब्रिटिश सेना में नियुक्ति के लिए भारतीय अर्हता घोषित। रॉलैट कमेटी ने अपनी रिर्पोट प्रस्तुत किया।
1919	–	माण्टेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार। रौलट एक्ट पारित, जलियाँवालाबाग, अमृतसर में नरसंहार (13 अप्रैल) तीसरा अफगान युद्ध। ब्रिटिश शाही उद्घोषणा। गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट 1919 पारित।
1920	–	खिलाफत और असहयोग आन्दोलन। लॉर्ड सिन्हा की बिहार और उड़ीसा के गर्वनर के रूप में नियुक्ति। महात्मा गाँधी द्वारा नेतृत्व। अखिल भारतीय व्यापार संघ की स्थापना अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की स्थापना।
1921–26	–	वायसराय लॉर्ड रीडिंग।
1921		चेम्बर ऑफ प्रिंसेज का उद्घाटन। मोपला विद्रोह। प्रिंस ऑफ वेल्स का भारत आगमन। भारत में जनगणना।
1921	–	माण्टेग्यू का त्यागपत्र, हड़प्पा में पुरातात्विक उत्खनन का आरम्भ। **रबीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा विश्वभारती विद्यालय की स्थापना।**
1923	–	स्वराज दल का भारतीय विधान परिषदों (कौंसिलो) में प्रवेश। नमक कर का आरोपण। टैरिफ बोर्ड का गठन। सेना की कुल रेजीमेंटों के कमानों के भारतीयकरण का प्रश्न।
1924	–	कानपुर षड्यंत्र केस।
1925	–	अखिल भारतीय दलित वर्ग एसोसिएशन का गठन। सूती कपड़ा कर समाप्त। प्रशासनिक सुधार जाँच की रिपोर्ट। चितरंजन दास का निधन। सिख गुरूद्वारा प्रबंध अधिनियम पारित। जिसके अंतर्गत सिख महन्तों से गुरूद्वारों का प्रबंध वापस लेकर गुरूद्वारों के प्रबंध का प्रजातांत्रीकरण। विट्ठलभाई पटेल केन्द्रीय विधानसभा के प्रथम भारतीय अध्यक्ष नियुक्त।
1926	–	व्यापार संघ अधिनियम पारित, स्वामी श्रद्धानंद की हत्या।
1927	–	भारतीय जल सेना अधिनियम पारित। साइमन कमीशन की नियुक्ति।
1928	–	**साइमन कमीशन का भारत आगमन**। सर्वदलीय बहिष्कार सम्मेलन का बनारस में आयोजन। नेहरू रिर्पोट। कृषि से सम्बन्धित रॉयल कमीशन की नियुक्ति।

1929	–	केन्द्रीय विधानसभा में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त द्वारा बम फेंकना (8 अप्रैल) इम्पीरियल कौंसिल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च की स्थापना। मेरठ षड्यंत्र का मुकदमा प्रारम्भ।
1930–32	–	साइमन कमिशन का बहिष्कार। **सविनय अवज्ञा आन्दोलनप्रारम्भ।**
1930	–	गाँधीजी का नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी यात्रा। बर्मा में विद्रोह, **प्रथम गोलमेज सम्मेलन।** 26 जनवरी की संपूर्ण देश में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन।
1931	–	**गाँधी-इरविन समझौते पर हस्ताक्षर। भारत की जनगणना।द्वितीय गोलमेज सम्मेलन।** रॉयल लेबर कमीशन (राजकीय श्रमिक आयोग) की रिर्पोट।
1931–36	–	वायसराय लॉर्ड विलिंगटन।
1932	–	तृतीय गोलमेज सम्मेलन। कम्युनल अवार्ड की घोषणा एवं पूना समझौता पर हस्ताक्षर। इण्डियन मिलिट्री अकादमी, देहरादून की स्थापना।
1933	–	**श्वेत पत्र का प्रकाशन तथा देश में पहली बार पाकिस्तान शब्द का प्रयोग।**
1934	–	सविनय अवज्ञा आन्दोलन का समापन। 16 जनवरी को बिहार में भूकम्प।
1935	–	आँग्ल-भारतीय व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर। 2 अगस्त को ब्रिटिश पार्लियामेंट में गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया एक्ट 1935 पारित।
1936–44	–	वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो।
1937	–	1 अप्रैल को प्रांतीय स्वायत्तता का उद्घाटन। ब्रिटिश भारत के 11 प्रांतों में से सात में काँग्रेस मंत्रिमण्डल का गठन।
1938	–	**वी.डी. सावरकर हिन्दू महासभा के अध्यक्ष** बने। सर मुहम्मद इकबाल की मृत्यु। **सुभाष चंद्र बोस भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित।**
1944–47	–	वाइसराय **लॉर्ड वेवेल।**
1944	–	संवैधानिक गतिरोध को रोकने के लिए राजगोपालाचारी के सुझाव पर बम्बई में गाँधी और जिन्ना के बीच बातचीत आरम्भ (9 सितम्बर)। पाकिस्तान के मुद्दे पर वार्ता भंग (27 सितम्बर)। आजाद हिन्द फौज का भारत भूमि पर आगमन।
1945	–	ब्रिटेन में लेबर सरकार का गठन। **वेवेल प्लान प्रस्तुत(14 जून)**। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति। जर्मनी का आत्मसमर्पण (अगस्त)। आजाद हिन्द फौज का अंग्रेजों के सामने आत्मसमर्पण (मई)।काँग्रेस नेताओं की रिहाई (जून)। आजाद हिन्द फौज के सिपाहियों पर पहला मुकदमा (5 नवम्बर)। केन्द्रीय विधानसभा का चुनाव (दिसम्बर)।

1946	–	बम्बई में भारतीय नौ सैनिक विद्रोह (18 फरवरी)। बंगाल में हिंसा। कैबिनेट मिशन की घोषणा (16 जून) तथा 24 मार्च को भारत आया। 16 अगस्त को मुस्लिम लीग द्वारा की गई सीधी कार्यवाही के तहत कलकत्ता में भीषण साम्प्रदायिक दंगे। अंतरिम सरकार का गठन (2 सितम्बर)। मुस्लिम लीग के सदस्यों द्वारा अंतरिम सरकार में शामिल होने के लिए शपथ ग्रहण करना (26 अक्टूबर)। संविधान सभा की प्रथम बैठक (9 दिसम्बर)।
1947-48	–	वायसराय लॉर्ड माउन्टबेटन।

आंग्ल-फ्रांसीसी संघर्ष

संघर्ष	काल	कारण	संधि	परिणाम
प्रथम कर्नाटक युद्ध	1746-48ई.	आस्ट्रिया का उत्तराधिकार युद्ध	एक्सला शापेल की संधि (1748 ई)	इस युद्ध में फ्रांसीसियों की विजय हुई, जिससे डूप्ले की महत्वकांक्षा बढ़ गई।
द्वितीय कर्नाटक युद्ध	1749-54ई.	हैदराबाद तथा कर्नाटक के आंतरिक मामले में दोनों का उलझना	पाण्डिचेरी की संधि (1754 ई)	अंग्रेजों एवं फ्रांसीसियों ने भारतीय राजाओं एवं नवाबों के आंतरिक मामलों में दखल न देने का वादा किया। फ्रांसीसी प्रमुख को हानि हुई तथा अंग्रेजों का प्रभाव बढ़ा
तृतीय कर्नाटक युद्ध	1758-63ई.	सप्तवर्षीय युद्ध से प्रभावित	पेरिस की संधि (1763 ई)	1760 ई. के वांडीवाश के युद्ध में इंग्लिश कम्पनी ने फ्रांसीसियों को निर्णायक रूप से पराजित कर दिया।

युद्ध	युद्ध के बाद सम्पन्न सन्धि
प्रथम आंग्ल - मैसूर युद्ध (1767-1769 ई.)	मद्रास की संधि (1769 ई.) (हैदर व अंग्रेजों के बीच)
द्वितीय आंग्ल - मैसूर युद्ध (1780 - 1784 ई.)	मंगलौर की संधि (1784 ई.) (टीपू व अंग्रेजों के बीच)
तृतीय आंग्ल - मैसूर युद्ध (1790-1792 ई.)	श्रीरंगपट्टम् की संधि (1792 ई.) (टीपू व अंग्रेजों के बीच)
चतुर्थ आंग्ल - मैसूर युद्ध (1799 ई.)	मैसूर का अधिकांश भाग अंग्रेजी साम्राज्य में विलीन, शेषभाग हिन्दूवंश के राजकुमार कृष्णराज को सौंपा और वेलेजली ने कृष्णराज से सहायक संधि की।

1857 का विद्रोह : एक नजर में

भारतीय नायक (विद्रोह के)	समय (विद्रोह का)	केन्द्र	ब्रिटिश नायक	दमन का समय
बहादुरशाह जफर एवं बख्तखाँ	11-12 मई, 1857	दिल्ली	निकलसन, हडसन	21 सितम्बर, 1857
नाना साहब एवं तात्या टोपे	5 जून, 1857	कानपुर	कैंपबेल	6 सितम्बर, 1857
बेगम हजरत महल	4 जून, 1857	लखनऊ	कैंपबेल	मार्च, 1858
रानी लक्ष्मीबाई एवं तात्या टोपे	जून, 1857	झाँसी, ग्वालियर	ह्यूरोज	3 अप्रैल, 1857
लिकायत अली	6 जून 1857	इलाहाबाद, बनारस	कर्नल नील	1858
कुँअर सिंह	अगस्त, 1857	जगदीशपुर (बिहार)	विलियम टेलर विसेंट आयर	1858
खान बहादुर खाँ	जून 1857	बरेली	विलियम टेलर	1858
मौलवी अहमद उल्ला	1857	फैजाबाद	कर्नल नील	1858
अजीजमुल्ला	1857	फतेहपुर	जनरल रेनर्ड	1858

स्वतंत्रताकालीन महत्त्वपूर्ण पुस्तकें व लेखक

पुस्तक	लेखक
बंदी जीवन	शचींद्र नाथ सान्याल
इण्डियन होमरूल	महात्मा गाँधी
इण्डिया डिवाइडेड	राजेंद्र प्रसाद
इण्डिया टुडे	रजनी पाम दत्त
नेशन इन मेकिंग	सुरेंद्र नाथ बनर्जी
पाकिस्तान एंड पार्टिशन ऑफ इण्डिया	बी. आर. अम्बेडकर
अनहैप्पी इण्डिया	लाला लाजपत राय
गीता रहस्य	बाल गंगाधर तिलक
भवानी मंदिर	बारींद्र कुमार घोष
द फिलासफी ऑफ द बॉम्ब	भगवती चरण वोहरा
माई एक्सपेरिमेंट विद द ट्रूथ	महात्मा गाँधी

सत्यार्थ प्रकाश	दयानन्द सरस्वती
इण्डिया विन्स फ्रीडम	मौलाना अबुल कलाम आजाद
तराना ए हिन्द	मुहम्मद इक़बाल
डिस्कवरी ऑफ इण्डिया	जवाहर लाल नेहरू
इण्डिया फ्रॉम कर्जन टू नेहरू एंड आफ्टर	दुर्गादास
द इण्डियन स्ट्रगल	सुभाष चन्द्र बोस
पावर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया	दादा भाई नौरोजी
आनंद मठ	बंकिम चंद्र चटर्जी
द स्कोप ऑफ हैप्पीनेस	विजय लक्ष्मी पण्डित
फ्रीडम एट मिडनाइट	लैरी कॉलिन्स, डामिनिक लैपियर
इण्डियाज पास्ट	आर्थर ए. मैकडॉनल
इण्डिया एंड इण्डियन मिशन	एलेक्जेंडर डफ
भारतीय स्वतंत्रता संग्राम	वी. डी. सावरकर
नील दर्पण	दीन बंधु मित्रा
ए बन्च ऑफ ओल्ड लेटर्स	जवाहर लाल नेहरू
हिंट्स फॉर सेफ कल्चर	लाला हरदयाल
इण्डियन फिलॉसफी	राधाकृष्णन
लाइफ डिवाइन	अरविंद घोष
साँग ऑफ इण्डिया	सरोजिनी नायडू
नेशन्स वॉयस	राधाकृष्णन
गैदरिंग स्टॉर्म	लैपियरे, कालिंस
एसेज ऑन गीता	अरविंद घोष
इण्डिया ए नेशनल	ऐनी बेसेन्ट
इकोनोमिक हिस्ट्री ऑफ इण्डिया	आर. सी. दत्त
इण्डियन रेनेसां	सी. एफ. एंड्रूज
क्रीसेंट मून, पोस्ट ऑफिस	रबींद्रनाथ नाथ टैगोर
ग्लिम्पसेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री	जवाहर लाल नेहरू
माय अर्ली लाइफ, हिन्द स्वराज	महात्मा गाँधी
रिलिजन एंड सोशल रिफॉर्म	एम. जी. रानाडे
द रिडल्स ऑफ हिन्दूइज्म	भीमराव अंबेडकर
इण्डियन डायरी	एस. माण्टेग्यू
कमेन्टरीज आन द कुरान	सैय्यद अहमद खान
इण्डियन मिरर	केशव चन्द्र सेन
द ग्रेट रिबेलियन	अशोक मेहता

पुस्तक	लेखक
प्लानिंग इन इण्डिया	एम.एन.राय
द कम्युनिस्ट इंटरनेशनल	एम.एन.राय
इण्डिया इन ट्रॉंजिशन	एम.एन.राय
व्हाई आई एम एन एथीस्ट	शहीद भगतसिंह
अन इण्डियन पिलग्रिम	सुभाष चन्द्र बोस
साम्यवाद ही क्यों	राहुल सांकृत्यायन
समाजवाद ही क्यों	जयप्रकाश नारायण
गुलामगिरी	ज्योतिबा फुले
असवाब बगावत-ए-हिन्द	सर सैय्यद अहमद खाँ
भारत दुर्दशा	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
गाँधी बनाम लेनिन	एस.ए.डाँगे
अभ्युदय	नरेन्द्र कोहली
तुहुफतुल मुवाहिद्दीन	राजा राममोहन राय
यंग इण्डिया	लाला लाजपत राय
इण्डिया टुडे	रजनी पामदत्त
आर्कटिक होम इन द आर्यन्स	बाल गंगाधर तिलक
द फ्यूचर ऑफ इण्डियन पॉलिटिक्स	ऐनी बेसेंट
वेकअप इण्डिया	ऐनी बेसेंट
सर्वोदय	महात्मा गाँधी
हिन्द स्वराज	महात्मा गाँधी
असरार-ए-खुदी	मुहम्मद इक़बाल
जर्ब-ए-कलीम	मुहम्मद इक़बाल
मुसाफिर	मुहम्मद इक़बाल
शिकवा	मुहम्मद इक़बाल
द मिस्ट्री ऑफ स्टेफोर्ड क्रिप्स	राममनोहर लोहिया
तर्जुमन-उल-कुरान	अबुल कलाम आजाद
गीतांजलि	रबीन्द्र नाथ टैगोर
गोरा	रबीन्द्र नाथ टैगोर
द कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया	ए.आर.मसानी
इण्डियाज फॉरेन पॉलिसी	जवाहरलाल नेहरू
विश्व इतिहास की झलक	जवाहरलाल नेहरू
सोज-ए-वतन	मुंशी प्रेमचन्द
टूवर्ड्स स्ट्रगल	जय प्रकाश नारायण
द रेनेसां इन इण्डिया	महर्षि अरबिंद
इण्डिया अनरेस्ट	वेलेन्टाइन शिरोल
रामकृष्णः हिज लाइफ एण्ड सेइंग	मैक्समूलर
हिन्दुत्व	वी.डी. सावरकर
गाँधी और गाँधीवाद	पट्टाभि सीतारमैया
द वर्ड ऑफ टाइमःसांग्स ऑफ सरोजिनी नायडू	

प्रमुख नारे

सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है	राम प्रसाद बिस्मिल
आराम हराम है	पं. जवाहर लाल नेहरू
वंदे मातरम्	बंकिम चन्द्र चटर्जी
वेदों की ओर लौटो	दयानन्द सरस्वती
मैं स्वभाव से ही समाजवादी हूँ।	जवाहर लाल नेहरू
सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा	मुहम्मद इक़बाल
इन्कलाब जिन्दाबाद	भगत सिंह
दिल्ली चलो, जयहिन्द	सुभाष चन्द्र बोस
विश्व विजयी तिरंगा प्यारा	श्याम लाल गुप्त (पार्षद)

महत्वपूर्ण कथन

स्वामी विवेकानंद

- जिस प्रकार सारी धाराएँ अपने जल को सागर मे ले जाकर मिला देती हैं, उसी प्रकार मनुष्य के सारे धर्म ईश्वर की ओर ले जाते हैं।
- आज हमारे देश को आवश्यकता है- लौहे के स्नायुओं तथा इस्तपात की नाड़ियों की।
- केवल धर्म से भूख शान्त नहीं हो सकती।
- हमारी अपनी मातृभूमि के लिये दो महान धर्मों - हिन्दुत्व तथा इस्लाम का सहयोग ही एकमात्र आशा है।
- दुनियाँ के सभी दूसरे राष्ट्रों से हमारा अलगाव ही हमारे पतन का कारण है और

	शेष दुनियाँ की धारा में समा जाना ही इसका एकमात्र समाधान है। • हमारे सामने खतरा यह है कि हमारा धर्म रसोईघर में बंद न हो जाये... हम केवल हमें मत छुओ के समर्थक हैं। • मेरा ईश्वर पीड़ित मानव है जब तक लाखों लोग भूख तथा अज्ञान से ग्रस्त हैं, मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को देशद्रोही कहूँगा जो उनके खर्च पर शिक्षा पाकर भी उन पर कोई ध्यान नहीं देता। • दुनियाँ में अगर कोई पाप है तो वह है - निर्बलता।
रहमत अली	• हिन्दुस्तान **एक महादेश है** वह एक राष्ट्र नहीं बल्कि **दो राष्ट्र है, एक हिन्दू** तथा **दूसरा मुसलमान** है।
लाला लाजपतराय	• मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत में कील सिद्ध होगी। • हर मूल्य पर स्वावलम्बन।
सरदार पटेल	• यदि शरीर का कोई अंग खराब हो जाये तो उसे काटकर फेंक देना ही ठीक है, ताकि शरीर के अन्य भागों में ज़हर न फैले।
लोकमान्य तिलक	• यदि ईश्वर अस्पृश्यता को सहन करने लगे, तो मैं ऐसे ईश्वर को भी मान्यता नहीं दूँगा। • स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।
लॉर्ड विलियम बैंटिक	• इस दरिद्रता के समान **दरिद्रता** वाणिज्य के इतिहास में शायद ही कभी रही हो, **बुनकरों की हड्डियाँ** भारत के मैदानों में**चारों ओर फैली हुई थीं**।
लॉर्ड मैकाले	• हमें हिन्दुस्तानियों का ऐसा वर्ग तैयार करना है जिसका रंग और रक्त भले ही भारतीय हो लेकिन वह अपनी अभिरूचि, विचार, नैतिकता और बुद्धिमत्ता से अंग्रेज हों।
नारायण गुरू	• मैं एक जाति, एक धर्म और एक ईश्वर में विश्वास करता हूँ।
विंस्टन चर्चिल	• अब तो सत्ता **दुर्जनों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ में चली** जायेगी, वे आपस में खूब लड़ेंगे और भारत राजनीतिक के झगड़ों में खो जायेगा।
चर्चिल	• मैने ब्रिटिश साम्राज्य का विघटन करने के लिए प्रधानमंत्री का पद ग्रहण नहीं किया है।
सर सैय्यद अहमद खान	• **हिन्दू-मुसलमान भारत के दो नेत्र हैं।**
जवाहरलाल नेहरू	• हमारे जीवन से प्रकाश चला गया (गाँधी जी की मृत्यु के पश्चात कहा)।
वल्लभ भाई पटेल	• यदि हमनें पाकिस्तान की माँग स्वीकार नहीं की, तो देश में अनेक पाकिस्तान बन जायेंगे।
दयानंद सरस्वती	• भारत भारतीयों के लिये है। • पुनः वेदों की ओर लौट चलो।

	• सभी कार्य **सत्य और असत्य** पर विचार करके करने चाहिये, **सत्य को ग्रहण** करना चाहिये तथा **असत्य को त्यागना** चाहिए। • विदेशी वस्तुओं का **बहिष्कार तथा स्वदेशी** वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिये। • बुरे से बुरा स्वदेशी राज्य अच्छे से अच्छे विदेशी राज्य से अच्छा है।
सुभाषचन्द्र बोस	• दिल्ली चलों • जयहिन्द (यह नारा सुभाषचन्द्र बोस ने जर्मनी में दिया) • तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा। (सुभाषचन्द्र बोस ने मलेशिया में आजाद हिन्द फौज को सम्बोधित करते हुये यह नारा दिया) • अब हमें खुलेआम बगावत कर देश को विदेशी शासन से मुक्त करना है साथ ही साथ मैं आपको और अपने सभी देशवासी भाइयों और बहनों को इसमें शामिल होने का आव्हान करता हूँ। • महात्मा गाँधी क्षणिक भूत की तरह **धूल उड़ाते हैं,स्तर नहीं उठाते।** • बोस ने विवेकानंद को आधुनिक **राष्ट्रीय आन्दोलन** का **आध्यात्मिक पिता** कहा।
महात्मा गाँधी	• अहिंसा हमारी प्रजाति का धर्म है जैसे हिंसा पशु का धर्म हैं, परन्तु अगर केवल कायरता और हिंसा दोनों में से एक को चुनना हो तो मैं हिंसा को चुनने की सलाह दूँगा। • धर्म हर व्यक्ति का **निजी मामला** है, इसे **राजनीति या राष्ट्रीय मामलों** से नहीं जोड़ना चाहिये। • बुराई के साथ असहयोग उतना ही उचित कर्त्तव्य है जितना कि भलाई के साथ सहयोग। • हमने घुटने टेककर **रोटी माँगी**, किंतु हमें उत्तर में **पत्थर मिले।** (सविनय अवज्ञा आन्दोलन के पूर्व कहा) • मेरा अंतिम उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति की आँख के आँसू पौंछना होगा। • भारत की बालू से मैं एक ऐसा **आन्दोलन उत्पन्न करूंगा** जो काँग्रेस से भी बड़ा होगा। (महात्मा गाँधी द्वारा वर्धा अधिवेशन के दौरान व्यक्त कथन) • भारत का विभाजन मेरी लाश पर होगा। जब तक मैं जीवित हूँ, तब तक भारत का विभाजन नहीं होने दूँगा। • अंग्रेजों! भारत छोड़ो।
मुहम्मद अली जिन्ना	• अब हम एक ऐसे स्थान पर पहुँच गये हैं जहाँ हमें संदेश की भाषा छोड़ देनी चाहिये, मुस्लिम लीग ही समूचे मुसलमानों की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है।
जवाहर लाल नेहरू	• एक दिन आयेगा जब भारत उसे याद करेगा और उसका सम्मान करेगा। (**नागालैंड की रानी गैडिन्ल्यू के सम्बन्ध में कहा**) • दासता का नया चार्टर (1935 के अधिनियम के बारे में कहा)
मुहम्मद इकबाल	• सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा, नेहरू देशभक्त हैं और जिन्ना राजनीतिज्ञ।

आधुनिक भारत की राजनीतिक संस्थाएं

नाम	सन्	स्थान	संस्थापक
लैंड होल्डर्स सोसाइटी	1838	कलकत्ता	द्वारका नाथ टैगार
ब्रिटिश इण्डियन सोसाइटी	1839	लंदन	विलियम एडम
ब्रिटिश इण्डियन एसोसिएशन	1851	कलकत्ता	देवेन्द्र नाथ ठाकुर
मद्रास नेटिव एसोसिएशन	1852	मद्रास	गजुलू नरसुचेट्टी
बम्बई एसोसिएशन	1852	बम्बई	दादाभाई नौरोजी
लंदन इण्डिया कमेटी	1862	लंदन	सी. पी. मुदालियार
ईस्ट इण्डिया एसोसिएशन	1866	लंदन	दादाभाई नौरोजी
इण्डियासोसाइटी	1872	लंदन	आनंद मोहन बोस
इण्डियन एसोसिएशन	1876	कलकत्ता	एस. एन. बनर्जी, आनंद मोहन बोस
मद्रास महाजन सभा	1884	मद्रास	वीरराघवाचारी, आनंद चार्लू
बम्बई प्रेसीडेंसी एसोसिएशन	1885	बम्बई	फिरोजशाह मेहता, बदरूद्दीन तैय्यबजी
भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस	1885	बम्बई	ए. ओ. ह्यूम
यूनाइटेड इण्डियन पेट्रियाटिक एसोसिएशन	1888	अलीगढ़	सर सैय्यद अहमद खान
सर्वेन्ट्स ऑफ इण्डिया सोसाइटी	1905	बम्बई	गोपालकृष्ण गोखले
होमरूल लीग	1916	बेलगांव, पूना	ऐनी बेसेंट, बी.जी तिलक
उ.प्र. किसान सभा	1918	लखनऊ	मालवीय, गोरीशंकर, इन्द्र नारायण
नेशनल लिबरल फेडरेशन	1918	कलकत्ता	एस. एन. बनर्जी
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ पीपुल्स सोसाइटी	1920	ताशकंद	एम. एन. राय
सर्वेन्ट्स ऑफ पीपुल्स सोसाइटी	1920	लाहौर	लाला लाजपत राय
अवध किसान सभा	1920	प्रतापगढ़	रामचंद्र, गोरीशंकर, जवाहर लाल नेहरू
अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कॉंग्रेस	1920	बम्बई	लाला लाजपत राय, एन. एम. जोशी
स्वराज पार्टी	1923	इलाहाबाद	चितरंजन दास, मोतीलाल नेहरू
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया	1924	कानपुर	सत्यभक्त,
राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ	1925	नागपुर	के. बी. हेडगेवार
मुस्लिम लीग	1906	ढाका	आगा खां, सलीमुल्ला
हिन्दू महासभा	1915		मदन मोहन मालवीय
ऑल इण्डिया वीमेन्स कॉन्फ्रेंस	1927	मद्रास	लेडी सदाशिव अय्यर
खुदाई खिदमतगार (लाल कुर्ती)	1929	पेशावर	खान अब्दुल गफ़्फ़ार खान
कॉंग्रेस समाजवादी पार्टी	1934	-	जयप्रकाश नारायण, नरेन्द्र देव
अखिल भारतीय किसान सभा	1936	लखनऊ	सहजानंद, एन.जी. रंगा
एंग्लो ओरिएंटल मोहम्मडन डिफेंस	1893	-	टी. बेक

एसोसिएशन			
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्	1936	-	अशोक मेहता, मीनू मसानी
फारवर्ड ब्लॉक	1939	कलकत्ता	सुभाष चन्द्र बोस
भारतीय बोल्शेविक पार्टी	1939	कलकत्ता	एन. दत्त मजूमदार
रेडिकल डेमोक्रेटिक पार्टी	1940	कलकत्ता	एम. एन. राय
भारतीय बोल्शेविक(लेनिन दल)	1941	कलकत्ता	अजीत राय, इन्द्रसेन
क्रान्तिकारी समाजवादी दल	1942	कलकत्ता	सौम्येन्द्र नाथ टैगोर
इण्डियन इंडिपेंडेंस लीग	1942	जापान	रास बिहारी बोस

ब्रिटिश भारत में प्रकाशित समाचार - पत्र एवं पत्रिकाएँ

समाचार पत्र	भाषा	वर्ष	प्रकाशन-स्थल	संस्थापक/सम्पादक
बंगाल गजट	अंग्रेजी	1780	कलकत्ता	जेम्स ऑगस्टस हिक्की (भारत का पहला समाचार पत्र)
उदन्त मार्तण्ड	हिंदी (हिंदी भाषा में पहला साप्ताहिक समाचार पत्र)	1826	कलकत्ता	जुगल किशोर शुक्ल
अमृत बाजार पत्रिका	बांग्ला, 1878 में अंग्रेजी में प्रकाशन	1868	कलकत्ता	मोतीलाल घोष, शिशिर कुमार घोष
पायनियर	अंग्रेजी	1865	कलकत्ता	जॉर्ज एलन (कुछ मानक स्त्रोतों में जुलियन रॉबिन्सन भी मिलता है।)
सोमप्रकाश	बांग्ला	1859	कलकत्ता	ईश्वर चंद्र विद्यासागर
हिंदू	अंग्रेजी	1878	मद्रास	वीर राघवाचारी
केसरी, मराठा	केसरी मराठी में, जबकि मराठा अंग्रेजी में प्रकाशित	1881	पूना	बाल गंगाधर तिलक
नेटिव ओपीनियन	अंग्रेजी	1864	बम्बई	वी.एन.माण्डलिक
बंगाली	अंग्रेजी	1879	कलकत्ता	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
बम्बई दर्पण	मराठी	1832	बम्बई	बाल शास्त्री (प्रथम मराठी समाचार पत्र)
कॉमन वील	अंग्रेजी	1914	-	एनी बेसेंट
कविवचन सुधा	हिंदी	1867	संयुक्त प्रांत (उ.प्र.)	भारतेंदु हरिशचंद्र
हरिशचन्द्र मैगज़ीन	हिंदी	1872-73	संयुक्त प्रांत (उ.प्र.)	भारतेंदु हरिशचंद्र
हिंदुस्तान स्टैंडर्ड	अंग्रेजी	1899	दिल्ली	सच्चिदानंद सिन्हा

हिंदी प्रदीप	हिंदी	1877	संयुक्त प्रांत (उ.प्र.)	बालकृष्ण भट्ट
यंग इण्डिया	अंग्रेजी	1919	अहमदाबाद	महात्मा गाँधी
नव जीवन	हिंदी, गुजराती	1919	अहमदाबाद	महात्मा गाँधी
हरिजन	अंग्रेजी, हिंदी, गुजराती	1933	पूना	महात्मा गाँधी
द इंडिपेंडेंट	अंग्रेजी	1919	इलाहाबाद	मोतीलाल नेहरू
हिंदुस्तान टाइम्स	अंग्रेजी	1924	दिल्ली (कुछ स्त्रोतों में बम्बई)	के.एम. पणिक्कर
नेशनल हेराल्ड	अंग्रेजी	1938	लखनऊ (मुख्यालय-दिल्ली)	जवाहरलाल नेहरू
द ट्रिब्यून	अंग्रेजी	1881	चण्डीगढ़	दयाल सिंह मजीठिया
अल हिलाल	उर्दू	1912	कलकत्ता	मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
अल बिलाग	उर्दू	1913	कलकत्ता	मौलाना अबुल कलाम आज़ाद
कॉमरेड	अंग्रेजी	1911	कलकत्ता	मौलाना मुहम्मद अली
हमदर्द	उर्दू	1913	-	मौलाना मुहम्मद अली
प्रताप	हिंदी	1913	कानपुर	गणेश शंकर विद्यार्थी
गदर	उर्दू	1913	सैन फ्राँसिस्कों	लाला हरदयाल
	पंजाबी	1913	सैन फ्राँसिस्कों	करतार सिंह
हिंदू पैट्रियट	अंग्रेजी	1853	कलकत्ता	हरिशचंद्र मुखर्जी, गिरीश चंद्र घोष

विदेशों में प्रमुख भारतीय क्रान्तिकारी संगठन -

क्र	नाम संगठन	संस्थापक	स्थापना वर्ष	देश
1.	इण्डिया हाउस	श्यामजी कृष्ण वर्मा	1905 ई.	लन्दन (इंग्लैण्ड)
2.	अभिनव भारत	वी. डी. सावरकर	1906 ई.	लन्दन (इंग्लैण्ड)
3.	इण्डियन इण्डिपेंडेंस लीग	तारकनाथ दास	1907 ई.	अमरीका
4.	ग़दर पार्टी	लाला हरदयाल	1913 ई.	सेन फ्रांसिस्को (अमरीका)
5.	इण्डियन इण्डिपेंडेंस लीग	वीरेन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय, लाला हरदयाल	1914 ई.	बर्लिन (जर्मनी)
6.	इण्डियन इण्डिपेंडेंस लीग एवं अस्थायी गवर्नमेन्ट	राजा महेन्द्र प्रताप	1915 ई.	काबुल (अफ़गानिस्तान)
7.	इण्डियन इण्डिपेंडेंस लीग	रास बिहारी बोस	1942 ई.	टोकियो (जापान)

8.	आजाद़ हिन्द फौज़	कैप्टन मोहन सिंह	1942 ई.	टोकियो (जापान)
9.	आजाद हिन्द फौज (पुर्नगठन)	नेताजी सुभाषचन्द्र बोस	1943 ई.	सिंगापुर

प्रमुख भारतीय क्रान्तिकारी संगठन

क्र	संगठन	संस्थापक	स्थान	स्थापना वर्ष
1	मित्र मेला	सावरकर बन्धु	पूना	1901 ई.
2	अनुशीलन समिति	ज्ञानेन्द्रनाथ बोस	मिदनापुर	1902 ई.
3	अभिनव भारत	वी.डी. सावरकर	पूना	1904 ई.
4	स्वदेश बान्धव समिति	अश्विनी कुमार दत्त	बारिसाल	1905 ई.
5	अनुशीलन समिति	बारीन्द्र कुमार घोष एवं भूपेन्द्रनाथ दत्त	मिदनापुर	1907 ई.
6	भारत माता सोसाइटी	अजित सिंह एवं अम्बा प्रसाद	पंजाब	1904 ई.
7	हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन	शचीन्द्रनाथ सान्याल	कानपुर	1924 ई.
8	नौजवान सभा	भगत सिंह	लाहौर	1926 ई.
9	हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक एसोसिएशन	चन्द्रशेखर आज़ाद	दिल्ली	1928 ई.

क्रांतिकारियों पर हुए मुकदमें –

केस	वर्ष	सजा
नासिक षड्यंत्र	1909-10	विनायक सावरकर को निर्वासन, 26 अन्य को कारावास
अलीपुर षड्यंत्र	1908	अरविन्द घोष समेत कई व्यक्तियों पर मुकदमा
हावड़ा षड्यंत्र	1910	जतिन मुखर्जी मुख्य अभियुक्त
ढाका षड्यंत्र	1910	पुलिन दास को 7 वर्ष की सजा
दिल्ली षड्यंत्र	1912-15	अमीर चंद, अवध बिहारी, बाल मुकुंद को फाँसी
लाहौर षड्यंत्र	1929-31	भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू समेत 19 को फाँसी
बनारस षड्यंत्र	1915-16	शचीन्द्र नाथ सान्याल को आजीवन कारावास
काकोरी षड्यंत्र	1925	राम प्रसाद बिस्मिल, अशकाफ उल्ला खां, राजेन्द्र लाहिड़ी एवं रोशन सिंह को फाँसी
चटगाँव षड्यंत्र	1930-34	सूर्यसेन, तारकेश्वर को फाँसी

ब्रिटिश काल में गठित विभिन्न आयोग और समितियाँ –

आयोग/समिति	अध्यक्ष	स्थापना वर्ष	वायसराय	उद्देश्य
इनाम आयोग	इनाम	1852	लॉर्ड डलहौजी	भूस्वामियों की उपाधियों की जाँच करने हेतु
एचिन्सन आयोग	सर चार्ल्स एचिन्सन	1886	लॉर्ड डफरिन	नागरिक सेवा में भारतीयों को अधिक भागीदार बनाने हेतु
अफीम आयोग	.....	1893	लॉर्ड लैंसडाउन	अफीम सेवन के दुष्प्रभावों की जाँच हेतु
हर्शेल समिति	हर्शेल	1893	लॉर्ड लैंसडाउन	टकसाल सम्बन्धी सुझाव हेतु
सिंचाई आयोग	मॉन्क्रीफ	1901	लॉर्ड कर्जन	सिंचाई व्यवस्था में सुधार हेतु सुझाव
फ्रेजर आयोग	फ्रेजर	1902	लॉर्ड कर्जन	पुलिस प्रशासन की कार्य पद्धति की जाँच हेतु
इसलिंग्टन आयोग	लॉर्ड इसलिंग्टन	1912	लॉर्ड हार्डिंग	नागरिक सेवा में भारतीयों हिस्सेदारी हेतु
मैक्लेगन समिति	मैक्लेगन	1914–15	लॉर्ड हार्डिंग	सहकारी वित्तीय व्यवस्था से सम्बन्धित सुझावों हेतु
शाही आयोग	लॉर्ड ली	1923	लॉर्ड रीडिंग	नागरिक सेवा से सम्बन्धित
सैण्डहर्स्ट समिति	एंड्रयूस्कीन	1925	लॉर्ड रीडिंग	भारतीय सेना का भारतीयकरण करने के लिए सुझावों हेतु
बटलर समिति	हरकोर्ट बटलर	1927	लॉर्ड इरविन	ब्रिटिश राज एवं देशी रियासतों के सम्बन्धों की समीक्षा हेतु
लिनलिथगो आयोग	लॉर्ड लिनलिथगो	1928	लॉर्ड इरविन	कृषि सम्बन्धी सुक्षावों हेतु
ह्विटलेआयोग	जे. एच. ह्विटले	1929	लॉर्ड इरविन	श्रमिकों की स्थिति का अध्ययन करने हेतु
लिण्ड्से आयोग	लिण्ड्से	1929	लॉर्ड इरविन	मिशनरी शिक्षा के विकास हेतु
सप्रू समिति	तेज बहादुर सप्रू	1934	लॉर्ड विलिंग्टन	संयुक्त राज्य में बेरोजगारी के कारणों के अध्ययन हेतु
भारतीय परिसीमन समिति	लॉरी हेमंड	1935	लॉर्ड विलिंग्टन	श्रमिक प्रतिनिधियों के निर्वाचन संघीय सभा में कैसे हो, के सम्बन्ध में
राष्ट्रीय योजना समिति	पं. नेहरू	1938	लॉर्ड लिनलिथगो	आर्थिक योजना बनाने हेतु

हिन्दू धार्मिक-सामाजिक आंदोलन

संस्था	स्थापना	स्थल	संस्थापन	प्रमुख उद्देश्य
आत्मीय सभा	1815 ई.	कलकत्ता	राममोहन राय	हिन्दू धर्म की बुराइयों पर आक्रमण व एकेश्वरवाद का प्रचार-प्रसार करना।
ब्रह्म समाज	1828 ई.	कलकत्ता	राममोहन राय	पहले इसका नाम **ब्रह्म सभा** था तथा इसका उद्देश्य एकेश्वरवाद था।
धर्म सभा	1829 ई.	कलकत्ता	राधाकांत देव	इसकी स्थापना ब्रह्म समाज के विरोध में हुई तथा इसका उद्देश्य कट्टरपंथी हिन्दू धर्म की रक्षा करना था।
तत्वबोधिनी सभा	1839 ई.	कलकत्ता	देवेंद्रनाथ टैगोर	राममोहन राय के विचारों का प्रचार-प्रसार करना था।
मानव धर्म सभा	1844 ई.	सूरत	दुर्गाराम मंचाराम	जाति प्रथा के बंधनों को तोड़ना था।
परमहंस मंडली	1849 ई.	बम्बई	दादोबा पाण्डुरंग	जाति प्रथा के बंधनों को समाप्त करना था।
राधा स्वामी सत्संग	1861 ई.	आगरा	तुलसी राम	एकेश्वरवादी सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करना।
भारतीय ब्रह्म समाज	1866 ई.	कलकत्ता	केशवचंद्र सेन	मूल **ब्रह्म समाज** (राममोहन राय द्वारा स्थापित) से अलग होकर केशवचन्द्र सेन ने नई संस्था स्थापित की, जिसका **मुख्य उद्देश्य समाज** सुधार था। इस विभाजन के बाद मूल समाज **आदि ब्रह्म समाज**कहा गया।
प्रार्थना समाज	1867 ई.	बम्बई	आत्माराम पाण्डुरंग	**एम.जी. रानाडे** तथा **आर.जी. भंडारकर** 1870 में इसके सदस्य बने। इसका उद्देश्यहिन्दू धर्म के विचारों तथा प्रचलनों में सुधार था।
आर्य समाज	1875 ई.	बम्बई	स्वामी दयानंद सरस्वती	हिन्दू धर्म में सुधार तथा हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन रोकना था।
थियोसोफिकल	1875 ई.	न्यूयॉर्क	मैडम एच.पी.	प्राचीन धर्म एवं दर्शन का **कर्नल**

सोसाइटी			ब्लावात्सकी व हेनरी ऑल्कॉट	**ऑल्कॉट** द्वारा प्रचार-प्रसार तथा विश्व बंधुत्व था।
साधारण ब्रह्म समाज	1878 ई.	कलकत्ता	आनंद मोहन बोस, शिवनाथ शास्त्री आदि	ब्रह्म समाज में दूसरा विभाजन समाज की व्यवस्था तथा समाज सुधार के प्रश्न पर **के.सी. सेन** के युवा अनुयायियों के एक वर्ग ने उन्हें छोड़ दिया।
दक्कन शिक्षा समाज	1884 ई.	पूना	जी.जी. आगरकर	युवाओं को देश सेवा के लिए तैयार करने हेतु शिक्षा व्यवस्था का पुनर्गठन करना।
इण्डियन नेशनल सोशल कांफ्रेंस	1887 ई.	बम्बई	एम.जी. रानाडे	भारतीय समाज में प्रचलित बुराइयों को दूर करके सोशल कांफ्रेंस करना तथा महिला कल्याण करना।
देव समाज	1887 ई.	लाहौर	शिवनारायण अग्निहोत्री	ब्रह्म समाज की तरह था पर इसके विपरीत इसके अनुयायी गुरू को पूजते थे।
रामकृष्ण मिशन	1897 ई.	बेलूर	स्वामी विवेकानंद	मानवतावादी एवं सामाजिक कार्य करना था।
भारत सेवक समाज	1905 ई.	बम्बई	गोपाल कृष्ण गोखले	मातृभूमि की सेवा के लिए भारतीयों को विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षित करना था। महिला कल्याण को बढ़ावा देना व उनका उत्थान करना था।
पूना सेवक समाज	1909 ई.	पूना	श्रीमती रमाबाई रानाडे	महिला कल्याण को बढ़ावा देना व उनका उत्थान करना था।
सोशल सर्विस लीग	1911 ई.	बम्बई	एन.एम.जोशी	सामान्य नागरिक के लिए जीवन में कार्य के बेहतर करने का अवसर प्रदान करना था।
सेवा समिति	1914 ई.	इलाहाबाद	हृदयनाथ कुंजरू	प्राकृतिक विपदाओं के समय समाज सेवा, शिक्षा, शारीरिक सफाई, संस्कृति आदि का विकास करना था।
बाल सेवा समिति	1914 ई.	बम्बई	श्रीराम वाजपेयी	भारत में बाल स्काउट एसोसिएशन आंदोलन का भारतीयकरण करना था।
वीमेंस इण्डियन	1917 ई.	मद्रास	ऐनी बेसेंट	भारतीय महिलाओं का कल्याण

एसोसिएशन				
रहनुमाई मजदायसान(पारसी धर्म सुधार आंदोलन)	1851 ई.	बम्बई	नौरोजी फरदूनजी, दादाभाई नौरोजी, एच.एस. बंगाली	**जरथ्रुष्ट्र (Zoroastrian)**धर्म सुधार तथा सभी पारसी (पारसी धर्म सुधार) महिलाओं का आधुनिकीकरण करना था।
निरंकारी	1840 ई.	पंजाब	दयाल दास, दरबार सिंह, रतन चंद	सिख धर्म का शुद्धीकरण।
नामधारी	1857 ई.	पंजाब	राम सिंह	सिख धर्म सुधार हेतु।
पूना सार्वजनिक सभा	1870 ई.	पूना (महाराष्ट्र)	एम.जी. रानाडे एवं गणेश वासुदेव जोशी	जनता में राजनीतिक चेतना का विकास करना, महाराष्ट्र में समाज सुधार करना।
ब्रह्म समाज ऑफ साउथ इण्डिया	1871 ई.	मद्रास	श्रीधरालू नायडू	जनता में राजनीतिक जागरूकता
भारत सेवक समाज	1905 ई.	बम्बई	गोपाल कृष्ण गोखले	मातृभूमि की सेवा के लिये भारतीयों को विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षित करना।
विश्व भारती	1918 ई.	कलकत्ता	रवीन्द्र नाथ टैगोर	जनता में राजनीतिक जागरूकता
भील सेवा मण्डल	1917 ई.	मद्रास	अमृतलाल ठक्कर	जनता में राजनीतिक जागरूकता

मुस्लिम धार्मिक-सामाजिक आंदोलन

क्र.सं	संस्था	स्थापना	स्थल	संस्थापन	प्रमुख उद्देश्य
1	दार-उल-उलूम	1866 ई.	देवबंद	मौलाना हुसैन अहमद	पुराने इस्लाम को पुनर्जीवित करना तथा मुस्लिमों की आध्यात्मिक व नैतिक स्थिति को सुधारना था। इसके संस्थापकों द्वारा इस्लाम की उदारवादी व्याख्या के कारण इसके अनुयायियों में राजनैतिक जागरूकता फैली। इनमें से **मौलाना अबुल कलाम आजाद** जैसे कुछ व्यक्तियों ने राष्ट्रीय आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।
2	नवदा-उल-उलेमा	1894 ई.	लखनऊ	मौलाना शिबली	मुस्लिम शिक्षा व्यवस्था में पुनः धर्म विज्ञान का विकास, मुस्लिमों का नैतिक सुधार तथा इस्लाम के धार्मिक विवादों का अंत था।

3	अहल-ए-हदीस	19 वीं सदी	पंजाब	मौलाना सईद नाजीर हुसैन	धर्मवेत्ताओं के इस वर्ग ने धर्मशास्त्र की चार विचारधारओं के अस्तित्व को अस्वीकार किया तथा केवल **हदीस (पैगम्बर के वचन) एवं कुरान** को इस्लाम का वास्वतिक धर्मग्रंथ माना।
4	अहल-ए-कुरान	19 वीं सदी	पंजाब	मौलवी अब्दुल्ला चक्रावली	इन्होंने केवल कुरान को इस्लाम का वास्तविक ग्रंथ स्वीकार किया। इनके समर्थक चक्रावली भी कहे जाते हैं।
5	बरेलवी	19 वीं सदी	पंजाब	मौलवी अहमद रिज़ा खान	कई प्राचीन इस्लामी प्रथाओं की शुरूआत की तथा देवबंद विचारधारा की रक्षा की थी। इसने आधुनिक औद्योगिक व तकनीकी प्रगति को स्वीकृति दी। यह भारत का सर्वाधिक संगठित मुस्लिम समूह था।
6	कादियानी	19 वीं सदी	पंजाब के कादियान	मिर्जा गुलाब अहमद	इस्लाम में सुधार, ईसाई मिशनरियों, अहमदिया आंदोलन एवं आर्य सामाजियों से इस्लाम की रक्षा करना था।
7	मुहम्मडन एजुकेशनल कांफ्रेंस	1886 ई.	अलीगढ़	सर सैय्यद अहमद खाँ	मुस्लिम जनता को पश्चिमी शिक्षा के आधार पर शिक्षित करना था। सर सैय्यद अहमद तथा उनके अनुयायियों की गतिविधियों को अलीगढ़ आंदोलन के नाम से जाना जाता है।

अंग्रेजी द्वारा बनाए कानून व अधिनिय

क्र.सं.	कानून	गवर्नर जनरल	वर्ष	प्रमुख उद्देश्य
1	नवजात कन्या हत्या कानून	जॉन शोर	1795 ई.	इसके द्वारा नवजात कन्याओं की हत्या पर रोक लगाई गई।
2	सतीप्रथा निषेध कानून	विलियम बैंटिक	1829 ई.	इसके द्वारा सती प्रथा पर कानूनी रोक लगाकर इसे हत्या माना गया।
3	बाल हत्या निरोधक कानून	लॉर्ड वेलेजली	1802 ई.	इसके द्वारा नवजात शिशुओं को मारने पर रोक लगाई गई।
4	**हिन्दू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम**	**लॉर्ड डलहौजी**	**1856 ई.**	**इसमें विधवा विवाह को कानूनी मान्यता दी गई।**
5	सम्मति आयु अधिनियम	लेंसडाउन	1891 ई.	12 वर्ष से कम आयु के बालकों के विवाह पर रोक लगाई गई।

6	शारदा एक्ट	लॉर्ड इरविन	1929 ई.	बालकों के लिये विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं बालिकाओं के लिये 14 वर्ष निश्चित की गई।
7	हिन्दू महिला सम्पत्ति अधिनियम	लॉर्ड ऑकलैण्ड	1937 ई.	हिन्दू महिलाओं को सम्पत्ति का अधिकार प्रदान किया गया।
8	दास प्रथा प्रतिबंध अधिनियम	लॉर्ड एलेनबरो	1943 ई.	1833 के चार्टर अधिनियम द्वारा 1843 ई. में दास प्रथा को प्रतिबंधित किया गया।